राजकीय इण्टर कालेज (GIC) प्रवक्ता परीक्षा, 2021

इतिहास

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

(परीक्षा तिथि : 19.09.20121)

1. मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक 'इंडिका' में दक्षिण भारत के किस राजवंश का उल्लेख किया है?

(a) Chola/चोल (b) Chera/चेर
(c) Satavahana/सातवाहन (d) Pandya/पाण्ड्य

Ans. (d) : मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक 'इंडिका' में दक्षिण भारत के पाण्ड्य राजवंश का उल्लेख किया है। मेगस्थनीज के अनुसार पाण्ड्य राज्य की शासिका पंडिया या पाण्ड्या नामक स्त्री थी। कौटिल्य के अनुसार पाण्ड्य राज्य मोतियों के लिए प्रसिद्ध था।
मेगस्थनीज सेल्युकस द्वारा चन्द्रगुप्त मौर्य की राज सभा में भेजा गया यूनानी राजदूत था जो संभवतः 304-299 BC तक चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में रहा था। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र के नगर प्रशासन व चन्द्रगुप्त मौर्य के सैन्य प्रशासन के बारे में विस्तृत वर्णन किया है।

2. निम्न में से कौन जहाँगीर के समय का चित्रकार नहीं है?

(a) मंसूर (b) मनोहर
(c) ख्वाजा अब्दुस समद (d) अबुल हसन

Ans. (c) : जहाँगीर का काल मुगल चित्रकला का स्वर्ण काल कहा जाता है। जहाँगीर के काल के प्रमुख चित्रकार मंसूर, मनोहर, अबुल हसन, बिशनदास, फारूख बेग आदि प्रमुख थे। ख्वाजा अब्दुल समद अकबर के काल का प्रमुख चित्रकार था जिसे अकबर ने टकसाल का अधिकारी बनाया था।
जहाँगीर ने अबुल हसन को 'नादिर उल-जमा' और मंसूर को 'नादिर-उल-अस्र' की उपाधि दिया था। जहाँगीर ने हेरात के 'आकारिजा' के नेतृत्व में आगरा में एक 'चित्रशाला' की स्थापना की थी।

3. भक्ति आन्दोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(1) रामानन्द का जन्म इलाहाबाद में तथा वल्लभाचार्य का जन्म वाराणसी में हुआ।

(2) रामानन्द के बारह प्रमुख शिष्य भिन्न-भिन्न जाति व सम्प्रदाय के थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूटः

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और ना ही 2

Ans. (c) : "भक्ति द्रविड़ उपजों लायो रामानन्द।
प्रकट किए कबीर ने 7 द्वीप, 9 खण्ड"।।
रामानन्द का जन्म 1299 ई. में इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुआ था तथा इनकी प्रारम्भिक शिक्षा-दीक्षा काशी में हुई। वल्लभाचार्य का जन्म 1479 ई. में वाराणसी में हुआ था तथा वाराणसी में ही 1531 ई. में इनकी मृत्यु हो गयी।
रामानन्द के 12 प्रमुख शिष्य थे जिसमें धन्ना, पीपा, सेना, रैदास, कबीर, सुरसरी, पद्मावती आदि प्रमुख थे। इसमें धन्ना जाट थे, सेना नाई थे, रैदास चमार थे, कबीर जुलाहा थे तथा पीपा राजपूत थे।

4. भारत में 'हेराल्ड' साप्ताहिक समाचार पत्र का प्रकाशन किस शहर से होता था?

(a) Delhi/दिल्ली (b) Bombay/बम्बई
(c) Calcutta/कलकत्ता (d) Madras/मद्रास

Ans. (b) : भारत में हेराल्ड समाचार पत्र का प्रकाशन बम्बई शहर से होता था। जिसे 'बॉम्बे हेराल्ड' के नाम से जानते हैं, जिसका प्रकाशन 1789 में हुआ था। आगे चलकर जवाहर लाल नेहरू ने 9 सितम्बर 1938 ई. को दिल्ली और लखनऊ से अंग्रेजी में 'नेशनल हेराल्ड' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन शुरु किया। 'अल हिलाल' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन अबुल कलाम आजाद ने, 'हमदर्द' का प्रकाशन मुहम्मद अली जिन्ना ने, 'हिन्दुस्तान टाइम्स' का प्रकाशन के.एम. पन्निकर ने किया था।

5. पुलकेशिन द्वितीय के किस सामन्त ने 'शब्दावतार' नामक व्याकरण ग्रन्थ की रचना की?

(a) आलूप (b) सोमराय
(c) पण्डित उदयदेव (d) गंगराज दुर्विनीत

Ans. (d) : पुलकेशिन द्वितीय के सामन्त गंगराज दुर्विनित ने शब्दावतार नामक व्याकरण ग्रंथ की रचना की थी। पुलकेशिन द्वितीय बादामी के चालुक्य वंश का सबसे महत्वूर्ण शासक था। रविकीर्ति का एहोल अभिलेख पुलकेशिन द्वितीय के जानकारी का सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोत है। पुलकेशिन द्वितीय के काल में ह्वेनसांग उसके राज्य में आया था। पुलकेशिन द्वितीय ने फारस आदि विदेशी देशों से महत्त्वपूर्ण संबन्ध स्थापित किया।

6. 'वॉइस ऑफ इण्डिया' के सम्पादक कौन थे?

(a) कोलिन क्लार्क (b) बी.एम. मलाबारी
(c) चार्ल्स इलियट (d) विलियम डिग्बी

Ans. (b) : 'वॉइस ऑफ इंडिया' के संपादक बी. एम. मालाबारी थे। बी.एम. मालाबारी का जन्म 1853 ई. में बड़ौदा में हुआ था। 1885 में उन्होंने सेवा सदन की स्थापना की। बी.एम. मालाबारी प्रसिद्ध रूख्माबाई केस से भी जुड़े हुए थे। 'वॉइस ऑफ इंडिया' का संपादन बी.एम. मालाबारी ने दादाभाई नौरोजी और विलियम बेडरबर्न के साथ 1883 ई. शुरु किया।

7. प्रारम्भिक बौद्धधर्म में स्त्रियों की स्थिति की कुछ महत्त्वपूर्ण विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(1) स्त्रियों के लिए भी निर्वाण प्राप्ति सम्भव।

(2) भिक्षुणियों के लिए पृथक मठ का निर्माण

नीचे दिए गए कूट के माध्यम से सही उत्तर चुने-

Code/कूटः

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 ना ही 2

Ans. (c) : छठी शताब्दी ई. पू. में उदित धर्मो में बौद्ध धर्म सबसे महत्वपूर्ण था। इस धर्म ने शुद्रों और स्त्रियों की अवस्था को सुधारने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। 600 ई.पू. आते-आते जहाँ ब्राह्मण धर्म में स्त्रियों के अधिकांश अधिकारों को छीन लिया गया

था वहीं बौद्ध धर्म ने स्त्रियों के लिए भी निर्वाण की व्यवस्था की। स्त्रियाँ भी संघ में शामिल हो सकती थी। बुद्ध ने भिक्षुणी को भिक्षुओं के अधीनस्थ रखा एवं इसके लिए आठ नियम प्रतिपादित किये। भिक्षुणियों के लिए पृथक मठ की स्थापना भी की गयी।

8. सल्तनत काल में 'फवाजिल' का अर्थ था-

(a) अभिजात वर्ग को दिया जाने वाल अतिरिक्त भुगतान
(b) वेतन के बदले में निर्धारित मालगुजारी
(c) इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि
(d) कृषकों से की जाने वाली गैर कानूनी जबरी वसूली

Ans. (c) : सल्तनत काल में फवाज़िल का अर्थ इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि थी। सल्तनत काल में प्रत्येक इक्तादार को कुछ भू-भाग आवंटित की जाती थी। जिसे इक्ता कहा जाता था। इस भू-भाग से होने वाली आय से इक्तादार अपना वेतन और सेना पर होने वाले खर्च पर व्यय करता था। इस खर्च के अतिरिक्त जो रकम शेष बचती थी उसे फवाज़िल कहा जाता था।

9. निम्नलिखित में से कौन कौशल नरेश प्रसेनजित का मंत्री नहीं था?

(a) बन्धुल (b) मृगधर
(c) श्री बृद्ध (d) दीर्घचारायण

Ans. (a) : 6वीं शताब्दी ई.पू. में 16 महाजनपदों का उदय हुआ। इन 16 महाजनपदों में से 4 महाजनपद मगध, अवन्ति, कोशल और वत्स सबसे महत्त्वपूर्ण थे। कोशल महाजनपद का विस्तार नेपाल की तराई से लेकर आधुनिक अवध क्षेत्र तक था। इस महाजनपद की राजधानी श्रावस्ती थी। बुद्ध के समय यहाँ का राजा प्रसेनजित था। दीर्घचारायण, श्रीबृद्ध, मृगधर आदि प्रसेनजित के मंत्री थे। बन्धुल प्रसेनजित का मंत्री नहीं था।

10. किस फ्रांसीसी यात्री ने काशी को 'भारत का एथेन्स' कहा?

(a) Tavernier/टेवरनियर (b) Thevenot/थेवेनॉट
(c) Bernier/बर्नियर (d) Manucci/मानुची

Ans. (c) : 18वीं शताब्दी में काशी (वाराणसी) भारत में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। वैसे शिक्षा के क्षेत्र में काशी का महत्त्वपूर्ण स्थान 6वीं शताब्दी ई.पू. से चला आ रहा था। उस काल में काशी संगीत शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। 18वीं शताब्दी का महत्त्वपूर्ण फ्रांसीसी यात्री 'बर्नियर ने इसी कारण से काशी को' भारत का 'एथेन्स' कहता है।

11. जौनपुर के शर्की वंश का अन्तिम शासक कौन था?

(a) हुसैन शाह (b) इब्राहिम शाह
(c) महमूद शाह (d) मुबारक शाह

Ans. (a) : जौनपुर की स्थापना तुगलक वंश के सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने किया था। आगे तुगलक वंश के सुल्तान नासिरूद्दीन महमूद ने अपने वजीर 'ख्वाजा जहाँ' को 'मलिक-उस-शर्क' की उपाधि प्रदान कर उसे पूर्व प्रदेश का शासक नियुक्त किया। इसी ने स्वतंत्र शर्की वंश की स्थापना की। इस वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक इब्राहिम शाह शर्की था। शर्की वंश का अंतिम शासक हुसैन शाह शर्की था जिसे हराकर बहलोल लोदी ने जौनपुर को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया।

12. किस सूफी सन्त की कुछ पंक्तियाँ सिक्खों के 'आदि ग्रन्थ' में संकलित की गयी हैं?

(a) निजामुद्दीन औलिया
(b) बख्तियार काकी
(c) नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली
(d) फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर

Ans. (d) : शेख फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर जिन्हें बाबा फरीद भी कहा जाता है और जो कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के शिष्य थे, का जन्म कहतवाल (मुल्तान) में हुआ था। बाबा फरीद चिश्ती सूफी सिलसिले के महत्त्वपूर्ण संत थे। बाबा फरीद ने अजोधन (पंजाब) को अपना निवास स्थान बनाया। बाबा फरीद के उपदेश बहुत ही संतुलित होते थे। जिसमें विभिन्न धर्मों के बीच सामन्जस्य पर बल दिया जाता था। यही कारण है कि बाबा फरीद के कुछ उपदेश की पंक्तियों को सिक्खों के 'आदि ग्रंथ' में संकलित किया गया है।

13. ''न तो भारत के भूतकाल पर आँखे मूंदकर निर्भर रहा जाए और न ही पश्चिम का अंधानुकरण किया जाए। विवेक वृद्धि का सहारा लेकर नये भारत का सर्वोत्तम प्राच्य और पाश्चात्य विचारों को प्राप्त कर संजोए रखना चाहिए।'' ये विचार किसने रखे?

(a) राम मोहन राय (b) सर सैयद अहमद खान
(c) जवाहर लाल नेहरू (d) हेनरी विवियन डिरोजियो

Ans. (a) : राजा राममोहन राय 19वीं शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के अगुआ थे। उन्हें पूर्व और पश्चिम के विचारों के मिलन का समन्वयकर्ता माना जाता है। इन्हीं का यह विचार है कि 'न तो भारत के भूतकाल पर आँखे मूदकर निर्भर रहा जाय और न ही पश्चिम का अंधानुकरण किया जाय। विवेक बुद्धि का सहारा लेकर नए भारत को सर्वोत्तम प्राच्य और पाश्चात्य विचारों को प्राप्त कर संजोए रखना चाहिए।

14. ''क्या मैं राजनीति में आप का ही बालक नहीं हूँ? हाँ, मैं थोड़ा कामचोर और थोड़ा भटका हुआ जरूर हूँ।'' महात्मा गाँधी से अपने बारे में उपरोक्त कथन किसने कहा?

(a) मोहम्मद अली जिन्ना (b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(c) मोतीलाल नेहरू (d) जवाहरलाल नेहरू

Ans. (d) : भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दो सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व महात्मा गाँधी और जवाहर लाल नेहरू थे। महात्मा गाँधी 1915 ई. के बाद राष्ट्रीय आंदोलन के अगुआ थे तथा महात्मा गाँधी ने अपना उत्तराधिकारी जवाहर लाल नेहरू को नियुक्त किया था। जवाहर लाल नेहरू ने गाँधीजी से कहा था कि 'क्या मैं राजनीति में आपका ही बालक नहीं हूँ। हाँ, मैं थोड़ा कामचोर और थोड़ा भटका हुआ जरूर हूँ।'

15. शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी ने किस भारतीय नरेश को पराजित कर बनारस पर अधिकार किया था?

(a) पृथ्वीराज चौहान (b) गोविन्द राज
(c) जयचन्द (d) मूलचन्द

Ans. (c) : शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी ने भारतीय नरेश जयचन्द्र को हराकर बनारस पर अधिकार किया था। गोरी ने 1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध में चौहान वंश के शासक पृथ्वीराज तृतीय को पराजित करने के बाद 1194 ई. में चन्दावर के युद्ध में राजा जयचन्द्र, जो गहड़वाल वंश का महत्त्वपूर्ण और अंतिम शासक था, को पराजित किया। गहड़वाल वंश कन्नौज से बनारस तक के क्षेत्र पर शासन करता था। अतः इन क्षेत्रों पर गोरी का अधिकार हो गया।

16. किस सुल्तान के शासनकाल के दौरान, अकत खाँ का विद्रोह हुआ था?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज तुगलक

Ans. (b) : अलाउद्दीन खिलजी के समय अकत खाँ (राज्य का वकीलदार) ने विद्रोह किया था। इसके अतिरिक्त अलाउद्दीन के समय नवीन मुसलमान, मलिक उमर एवं मंगू खाँ तथा हाजी मौला ने विद्रोह किया था। विद्रोह को समाप्त करने के लिए अलाउद्दीन खिलजी ने चार अध्यादेश लागू किये थे, जिसमें अमीरों एवं सरदारों के आपसी विवाह सम्बन्धों एवं अन्य समारोहों पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया।

17. कण्व वंश के निम्नलिखित शासकों पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

(I) वासुदेव (II) नारायण
(III) भूमिमित्र (IV) सुसर्मन

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूटः

(a) I, II, III and IV (b) I, III, II and IV
(c) I, IV, II and III (d) I, II, IV and III

Ans. (b) : शुंग वंश के अंतिम शासक देवभूति की हत्या कर वसुदेव ने कण्व वंश की स्थापना मगध क्षेत्र में किया। पुराणों के अनुसार कण्व वंश के कुल 4 शासकों ने 45 वर्ष तक शासन किया। इस वंश के 4 शासकों का क्रम वसुदेव (9 वर्ष, शासन किया) भूमिमित्र (14 वर्ष), नारायण (12 वर्ष) और सुशर्मा (10 वर्ष) है। कण्व वंश के अंतिम शासक सुशर्मा की हत्या कर सिमुक ने सातवाहन वंश की स्थापना की।

18. अमीर खुसरो के अनुसार, किस अरब ज्योतिषी ने दस वर्षों तक वाराणसी में रह कर ज्योतिष विद्या का अध्ययन किया?

(a) अबू माशर (b) याकूब-इब्न-लैस
(c) अल-मसूदी (d) इब्न हाकल

Ans. (a) : अमीर खुसरों के अनुसार अरब ज्योतिषी अबू माशर ने 10 वर्ष तक वाराणसी में रहकर ज्योतिष विद्या का अध्ययन किया था। वाराणसी बुद्ध काल से ही शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था बुद्ध काल में यहाँ संगीत की शिक्षा दी जाती थी। आगे चलकर वाराणसी ज्योतिष शिक्षा का भी महत्त्वपूर्ण केन्द्र बना। 18वीं शताब्दी का फ्रांसीसी यात्री बर्नियर वाराणसी (काशी) को 'भारत का एथेन्स' कहता है।

19. महाबोधि वंश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन कालाशोक का पुत्र नहीं था?

(a) कोरण्ड वर्ण (b) कोरव्य
(c) नंदिवर्धन (d) उग्रसेन

Ans. (d) : महाबोधि वंश के अनुसार कालाशोक के 10 पुत्र थे जो इस प्रकार है- भद्रसेन, कोरण्डवर्ण, मंगुर, सर्वंज, जलिक, उभाक, संजय, कोरव्य, नंदीवर्धन तथा पंचामक। इन्होंने सम्मिलित रूप से 22 वर्ष तक शासन किया। नंदिवर्धन/महानंदिन शिशुनाग वंश का अंतिम शासक था। आगे मगध क्षेत्र में नंद वंश की स्थापना हुई जिसका संस्थापक महापद्मनन्द था। महाबोधि वंश में इसका नाम 'उग्रसेन' प्राप्त होता है।

20. निम्नलिखित में से कौन एक '1918 में उत्तर प्रदेश में किसान सभा' की स्थापना से सम्बन्धित नहीं था?

(a) गैरीशंकर मिश्र (b) इन्द्रनारायण द्विवेदी
(c) ब्रजकिशोर (d) मदन मोहन मालवीय

Ans. (c) : अवध में होमरूल लीग के कार्यकर्ता काफी सक्रिय थे। इन्होंने किसानों को संगठित करना शुरु किया। इन्होंने इस संगठन को किसान सभा का नाम दिया। आगे चलकर गौरीशंकर मिश्र, इन्द्रनारायण द्विवेदी और मदन मोहन मालवीय के प्रयासों से फरवरी 1918 ई. में उत्तर प्रदेश किसान सभा का गठन हुआ। उत्तर प्रदेश किसान सभा के गठन में ब्रजकिशोर का कोई योगदान नहीं था।

21. भारत में सती प्रथा को समाप्त किया गया-

(a) 4 दिसम्बर, 1829 में (b) 6 दिसम्बर, 1829 में
(c) 4 नवम्बर, 1829 में (d) 6 नवम्बर, 1829 में

Ans. (a) : भारत की सामाजिक कुरीतियों में सती प्रथा सबसे ज्यादा कष्टदायक थी। सती प्रथा को रोकने के लिए राजा राममोहन राय ने सबसे ज्यादा सार्थक प्रयास किया। इन्हीं के प्रयासों के कारण तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड विलियम बैंटिंक ने 4 दिसम्बर, 1829 ई. को नियम-17 द्वारा सती प्रथा को समाप्त घोषित कर दिया। आरम्भ में यह कानून केवल बंगाल में लागू था किन्तु 1830 ई. में इसे बम्बई एवं मद्रास प्रेसीडेंसियों ने लागू किया गया।

22. झील के किनारे स्थित प्रारम्भिक कृषि स्थल है-

(a) चिरांद (b) लहुरादेवा
(c) मेहरगढ़ (d) महदहा

Ans. (b) : उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर जिले में झील के किनारे स्थित लहुरादेव से भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि किए जाने के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं। यही से चावल उत्पादन के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं। महत्त्वपूर्ण है कि मेहरगढ़ से प्राप्त कृषि का साक्ष्य 7000 ई. पू. का है, जबकि लहुरादेव का 9000-7000 ई. पू. का कृषि का साक्ष्य उपलब्ध है।

23. किन स्मृतिकारों ने विधवा पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दी थी?

(a) मनु और याज्ञवलक्य (b) नारद और पराशर
(c) कात्यायन और पराशर (d) नारद और मनु

Ans. (b) : नारद और पराशर ने 5 विशेष परिस्थितियों में पत्नी को पुर्नविवाह की अनुमति दी है। पति के मरने, पति का पता न लगने, पति का सन्यासी होने, पति का नपुंसक होने तथा पति के पतित हो जाने की स्थिति में नारद और पराशर ने पत्नी को पुर्नविवाह की अनुमति प्रदान की है। विष्णु, याज्ञवल्क्य और बृहस्पति ने विधवाओं को पूरी संपत्ति का स्वामिनी मानते हैं। जबकि मनु, नारद व कात्यायन इसके विरुद्ध थे।

24. सर कॉलिन स्कॉट मॉन्क्रीफ आयोग नियुक्त किया गया था-

(a) भारत में विश्वविद्यालय की दशा की जाँच करने के लिए।
(b) सरकारी वित्त में सुधार हेतु भू-राजस्व का पुनर्निर्धारण करने के लिए।
(c) सिंचाई में सुधार के उपायों का अन्वेषण करने और सुझाव देने के लिए।
(d) पूर्व और पश्चिम बंगाल की प्रशासनिक सीमाओं को पुनः समायोजित करने के लिए।

Ans. (c) : सर कॉलिन स्कॉट मॉनक्रीफ आयोग की नियुक्ति 1901-02 ई. में तत्कालीन वायसराय लार्ड कर्जन के समय में सिंचाई में सुधार के उपायों का अन्वेषण करने और सुझाव देने के लिए किया गया था। इस आयोग के रिपोर्ट के आधार पर कई सिंचाई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

25. गुप्तकालीन 'बोवर' पाण्डुलिपि सम्बन्धित है-

(a) नाट्यशास्त्र से (b) आयुर्वेद से
(c) खगोलशास्त्र से (d) गणित से

Ans. (b) : बॉवर पाण्डुलिपि चौथी, पांचवी ई. के प्राचीनतम चिकित्सकीय ज्ञान, आयुर्वेद, शकुन विचार तथा भविष्य के कथन से संबंधित महत्त्वपूर्ण खोज है इसे 1890 ई. में हैमिल्टन बॉवर ने गोबी मरूस्थल से खोजा था। यह मूलतः यशोमित्र नामक बौद्ध भिक्षु के 7 निबन्धों का संग्रह है। यह बौद्ध भिक्षु कमतुरा बौद्ध बिहार में निवास करते थे।

26. इतावली यात्री पेस कहते हैं, ''वह एक महान शासक और अत्यन्त न्यायप्रिय व्यक्ति है, परन्तु एकाएक क्रोध के दौरों का शिकार हो जाता है।'' उक्त वक्तव्य विजयनगर के किस शासक से सम्बन्धित है?

(a) देवराय प्रथम (b) देवराय द्वितीय
(c) कृष्णदेवराय (d) वेंकट द्वितीय

Ans. (c) : डोमिंगो पायस जो एक पुर्तगाली यात्री था, 1520 ई. के आस-पास विजयनगर के शासक कृष्ण देव राय के काल में विजयनगर की यात्रा की थी। वह कृष्णदेव राय के बारे में कहता है कि 'वह एक महान शासक और अत्यन्त न्यायप्रिय व्यक्ति था परन्तु एकाएक क्रोध के दौरों का शिकार हो जाता था। पायस विजयनगर साम्राज्य के समृद्धि के वर्णन के साथ-साथ इस काल के सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक घटनाओं का भी विस्तार से वर्णन करता है।

27. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए एवं उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए।-

(I) जैतपुर का विलय (II) सतारा का विलय
(III) झाँसी का विलय (IV) नागपुर का विलय

नीचे दिए गए कूट के माध्यम से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूटः

(a) I, II, IV, III (b) II, I, III, IV
(c) III, IV, I, II (d) IV, III, II, I

Ans. (b) : लार्ड डलहौजी का काल 'व्यपगत की नीति' या 'राज्य हड़प नीति' के कारण सर्वाधिक चर्चित रहा है। इस नीति के तहत यदि किसी राज्य का वैध उत्तराधिकारी नहीं होता था तो उसे ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया जाता था। प्रश्न में दिए गए राज्य को मिलाने का क्रम है-

सतारा का विलय	-	1848 ई.
जैतपुर का विलय	-	1849 ई.
झाँसी का विलय	-	1853 ई.
नागपुर का विलय	-	1854 ई.

28. निम्नलिखित में से कौन 'कांग्रेस समाजवादी पार्टी' का संस्थापक सदस्य नहीं था?

(a) मीनू मसानी (b) राम मनोहर लोहिया
(c) नरेन्द्र देव (d) जवाहरलाल नेहरू

Ans. (d) : कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना मीनू मसानी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेन्द्र देव और जय प्रकाश नारायण के प्रयासों से अक्टूबर 1934 ई. में बम्बई में हुई थी। इस पार्टी की स्थापना में जवाहर लाल नेहरू ने कोई योगदान नहीं किया था। वैसे जवाहर लाल नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस कांग्रेस पार्टी के अंदर समाजवाद का प्रतिनिधित्व करते थे। जवाहर लाल नेहरू स्वयं समाजवादी व्यवस्था से काफी प्रभावित थे किन्तु कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना सदस्यों में वे नही थे।

29. किस कालावधि में कल्हण की राजतरंगिणी लिखी गयी?

(a) 1858 ई.-1160 ई. (b) 1144 ई.-1146 ई.
(c) 1148 ई.-1150 ई. (d) 1138 ई.-1140 ई.

Ans. (c) : राजतरंगिणी 1148-1150 ई. के बीच महाभारत शैली में कल्हण द्वारा लिखित एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है जिसमें कश्मीर के हिन्दू राजवंशों का इतिहास का वर्णन है। राजतरंगिणी में कुल 8 सर्ग (तरंग) और 8000 श्लोक हैं। राजतंरगिणी की शुरुआत कल्हण ने राजा हर्ष के समय किया था और इस ग्रंथ का अंत राजा जय सिंह के काल में हुआ।

30. राजसूय यज्ञ के समय ऋग्वैदिक राजा लगभग एक दर्जन रत्नियों के घर जाता था। उनमें से कितनी रत्नियाँ, महिलाएं होती थी?

(a) Four/चार (b) Six/छः
(c) Eight/आठ (d) Ten/दस

Ans. (a) : ऋग्वैदिक राजा 'राजसूय यज्ञ' के समय एक दर्जन रत्नियों के घर जाता था जिसमें चार स्त्रियाँ होती थीं। यह राजा के राज्याभिषेक से सम्बन्धित राजकीय संस्कार यज्ञ था। राजा 'रत्नह विंषी' संस्कार के तहत 12 रत्नियों के घर जाता था। सर्वप्रथम वह सेनानी के घर जाता था। शुक्ल यजुर्वेद में 'राजसूय यज्ञ' से सम्बन्धित अनुष्ठानों का उल्लेख मिलता है।

31. श्लेष (द्विअर्थी) में लिखा प्रारम्भिक मध्यकाल का ग्रन्थ है-

(a) हर्षचरित (b) रामचरित
(c) नवसाहसांक चरित (d) विक्रमांकदेव चरित

Ans. (b) : श्लेष (द्विअर्थी) में लिखा प्रारम्भिक मध्य काल का महत्त्वपूर्ण ग्रंथ सन्ध्याकर नंदी द्वारा रचित रामचरित है। इस ग्रंथ में सन्ध्याकर नंदी ने स्वयं को 'कलियुग का बाल्मीकि' (कलिकाल बाल्मीकि) तथा रामपाल को 'राम' कहता है। रामचरित में कैवर्तों के नेता भीम को पराजित करने का उल्लेख है। यह ग्रंथ पाल वंश विशेषतः परवर्ती शासकों के इतिहास के अध्ययन का महत्त्वपूर्ण स्रोत है।

32. बंगाल के किस शासक ने कहा था, कि यदि अंग्रेजो को बंगाल की भूमि से बाहर किया, तो समुद्र मे आग लग जायेगी?

(a) सरफराज खान बहादुर (b) मुर्शिद कुली खान
(c) निजाबत अली खान (d) अलीवर्दी खान

Ans. (d) : मुर्शिद कुली खाँ (1717-27 ई.) ने बंगाल में स्वतंत्र राज्य की स्थापना 18वीं शताब्दी में किया। आगे चलकर अलीवर्दी खाँ (1740-56 ई.) बंगाल का महत्त्वपूर्ण नवाब हुआ। उसने कई शक्तियों को पराजित कर बंगाल में अपनी सत्ता को स्थापित किया। अलीवर्दी खाँ ने ही कहाँ था कि 'यदि अंग्रेजों को बंगाल की भूमि से बाहर किया तो समुद्र में आग लग जाएगी। आगे चलकर अलीवर्दी खाँ की यह भविष्यवाणी सही साबित हुई जब अंग्रेजों ने बंगाल को अपने अधीन कर लिया।

33. निम्नलिखित चोल शासकों में से मालदीव की विजय करने वाला प्रथम शासक कौन था?

(a) राजराज प्रथम (b) राजेन्द्र प्रथम
(c) राजाधिराज (d) राजेन्द्र द्वितीय

Ans. (a) : नवी सदी में विजयालय के नेतृत्व में चोलों का पुनरुस्थान हुआ। चोल वंश की स्थापना विजयालय ने किया था। आगे चलकर इस वंश का सबसे महत्त्वपूर्ण शासक राजराज प्रथम

(985-1014 ई.) हुआ। उसने पाड्य केरल और सिंहल की विजय की। उसने श्रीलंका के उत्तरी भाग की विजय कर उस पर अधिकार कर लिया। राजराज की एक महत्वपूर्ण विजय मालदीव की थी। मालदीव की विजय राजराज प्रथम की अंतिम विजय थी। उसने नित्यविनोद, शिवपादशेखर, चोल मार्तण्ड आदि प्रमुख उपाधियों को धारण किया।

34. ''नामलिंगानुशासन'' नामक ग्रन्थ के लेखक कौन थे?

(a) क्षेमेन्द्र (b) कालिदास
(c) अमर सिंह (d) लक्ष्मीधर

Ans. (c) : अमर सिंह द्वारा रचित अमरकोश ग्रंथ 'संस्कृत का विश्वकोश' कहलाता है। इस ग्रंथ का एक अन्य नाम 'लिंगानुशासन है। तीन काण्डों में विभक्त होने के कारण इसे 'त्रिकाण्ड' भी कहते हैं। अमरकोश के सबसे प्रसिद्ध टीकाकार क्षीरस्वामीभट्ट हैं प्राचीन भारतीय ग्रंथों में सर्वाधिक टीका (50) इसी ग्रंथ पर लिखी गयी है।

35. 1822 में महाराज रणजीत सिंह की आदर्श सेना में फ्रांसीसी सैन्य टुकड़ी 'फौज-ए-खास' का गठन किसने किया?

(a) वेन्चुरा और कोर्ट (b) आलार्ड और गार्डनर
(c) वेन्चुरा और आलार्ड (d) गार्डनर और एविटेबाइल

Ans. (c) : सन् 1822 ई. में महाराजा रणजीत सिंह की आदर्श सेना में फ्रांसीसी सैन्य टुकड़ी 'फौज-ए-खास' का गठन वेन्चुरा और अलार्ड द्वारा किया गया। महाराजा रणजीत सिंह ने अपनी सेना का गठन पश्चिमी ढंग से करने का प्रयास किया। इसके लिए सेना को दो भागों में बाँटा गया–

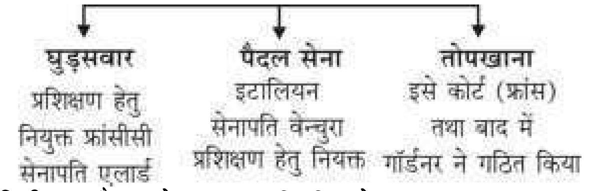

द्वितीय- फौज-ए-बेकवायद (अनियमित सेना)

नोट- महाराजा रणजीत सिंह द्वारा गठित प्रशासन को 'खालसा' तथा सरकार को 'खालसा सरकार' के नाम से जाना जाता है।

36. परमार्थ किस काल के बौद्ध विद्वान थे?

(a) मौर्य काल (b) कुषाण काल
(c) गुप्त काल (d) मौखरि काल

Ans. (c) : परमार्थ उज्जैन के निवासी थे 546 ई. में एक गुप्त वंशीय सम्राट के समय चीन के सम्राट द्वारा जो दूतमण्डल भारत भेजा गया था उसी के एवज में भेजे जाने वाले भारतीय दूत मण्डल का वे हिस्सा थे। परमार्थ द्वारा लिखित व चीनी भाषा में अनुदित रचनाओं में त्रिपिटक भी शामिल है।

37. ''जितनी जमीन में एक हाथी लेट सकता है, उतनी जमीन सात आदमियों का पेट भर सकती है।'' यह कथन प्राचीन भारत के किस क्षेत्र से सम्बन्धित है?

(a) गंगा-यमुना दोआब (b) कृष्ण डेल्टा
(c) कावेरी डेल्टा (d) गोदावरी डेल्टा

Ans. (c) : प्राचीन भारत में कावेरी डेल्टा के बारे में यह कथन प्रचलित था कि जितनी जमीन में एक हाथी लेट सकता है उतनी जमीन सात आदमियों का पेट भर सकती है। सातवाहन काल और संगम युग में कावेरी डेल्टा का भाग अपने कृषि उत्पादन के लिए काफी प्रसिद्ध था। इस काल में इस क्षेत्र में चावल व हल्दी का उत्पादन सबसे ज्यादा होता था।

38. महाकाव्य 'रामायण' के पाँच स्पष्ट तिथिक्रमगत और सांस्कृतिक चरणों की पहचान की थी-

(a) मोर्टिमर व्हीलर ने (b) शेल्डन पोलक ने
(c) पौला रिचमैन ने (d) जे.एल. ब्रॉकिंगटन ने

Ans. (d) : वर्ष 1984 ई. में जे. एल. ब्राकिंगटन ने भाषा शैली विषयवस्तु के सावधानी पूर्वक अध्ययन के पश्चात रामायण के विकास में कालवधि व संस्कृति के पांच चरणों को चिन्हित किया है। इसी तरह जेम्स एल फिट्जगेराल्ड ने महाभारत के विषय में यह तर्क प्रस्तुत किया है। बौद्ध व जैन धर्म की बढ़ती लोकप्रियता को ब्राह्मण व्यवस्था ने एक चुनौती के रूप में देखा तथा महाभारत के रूप में उन्होंने इस व्यवस्था के विरुद्ध अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की।

39. शौनक और पैप्लाद किस वेद की शाखाएँ है?

(a) Yajurveda/यजुर्वेद (b) Samveda/सामवेद
(c) Atharvaveda/अथर्ववेद (d) Rigveda/ऋग्वेद

Ans. (c) : वेदों की कई शाखाएँ है। शाकल शाखा ऋग्वेद से जुड़ी एकमात्र जीवित शाखा है। यजुर्वेद को शुक्ल यजुर्वेद और कृष्ण यजुर्वेद की शाखाओं में बाँटा गया है। कौथुम, राणायनीय, जैमीनीय सामवेद की तीन शाखाएँ हैं। अथर्ववेद की शाखाएँ शौनक और पिप्पलाद है।

40. कराची अधिवेशन 1931, के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(1) गाँधी-इरविन समझौते का अनुमोदन करने के लिए, यह कांग्रेस का एक विशेष अधिवेशन था।

(2) इसकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/ से सही है/ हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 ना ही 2

Ans. (c) : 1931 ई. में कांग्रेस का पैतालीसवाँ अधिवेशन कराची में हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया था। गाँधी-इरविन समझौते को अनुमोदन करने के लिए यह कांग्रेस का एक विशेष अधिवेशन था। इसी अधिवेशन में गाँधी जी ने कहा था कि 'गाँधी मर सकता है लेकिन गाँधीवाद नहीं। इसी अधिवेशन में भारत के विकास के लिए समाजवादी तत्वों को ग्रहण किया गया।

41. किस भारतीय शासक ने अपने अधिकारियों एवं सिपाहियों को वेतन देने के लिए महादारी पद्धति' को अपनाया?

(a) टीपू-सुल्तान (b) हैदराबाद का निजाम
(c) राजा रंजीत सिंह (d) बालाजी बाजी राव

Ans. (c) : महाराजा रणजीत सिंह ने सशक्त एवं संगठित सैन्य व्यवस्था के निर्माण के लिए सैनिकों को मासिक वेतन देना आरंभ किया। सैनिकों को मासिक वेतन देने की यह प्रणाली 'महादारी' पद्धति के नाम से प्रचलित हुयी।

महाराजा रणजीत सिंह सेना के आधुनिकीकरण के लिए ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सेना के नमूनें पर सेना के गठन का प्रयास किया। इसके लिए विदेशी कमांडरों की नियुक्ति की गयी। 1822 में जनरल वेंचुरा और आलार्ड नामक सैन्य विशेषज्ञों की नियुक्ति की गयी। इस क्रम में नियमित ड्रिल द्वारा सेना के अनुशासन पर बल दिया गया तथा लाहौर और अमृतसर में तोप, गोला- बारूद के कारखानें बनाए।

42. मध्य पाषाणिक पुरास्थल 'दमदमा' के पशुओं की हड्डियों का अध्ययन किसके द्वारा किया गया था?

(a) के.एन. प्रसाद और पी. यादगिरि

(b) डी.आर.शाह और ए.के. शर्मा

(c) शान्तनु वैद्य और पंकज गोयल

(d) पी.के. थॉमस और पी.पी. जोगलेकर

Ans. (d) : मध्य पाषाणिक स्थल दमदमा मध्य गंगा घाटी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है। दमदमा का उत्खनन 1982 से 1987 के मध्य प्रो. जी. आर.शर्मा के नेतृत्व में किया गया। यहाँ से पाषाणोपकरण एवं पशुओं की हड्डी एवं सींग प्राप्त हुए हैं। यहाँ के पशुओं के हड्डियों का अध्ययन पी.के. थॉमस और पी.पी. जोगलेकर ने किया।

43. निजामुद्दीन जुनैदी वजीर था-

(a) मुइजुद्दीन गोरी का (b) कुतुबद्दीन ऐबक का

(c) इल्तुतमिश का (d) बलबन का

Ans. (c) : वजीर निजामुद्दीन जुनैदी इल्तुतमिश का प्रसिद्ध वजीर था। इल्तुतमिश के समय में जब उलेमाओं ने हिन्दुओं के समक्ष मृत्यु या इस्लाम, की शर्त रखने की पेशकश की तो वजीर जुनैदी ने कहा कि ''हाल ही में भारत में विजय प्राप्त हुई है, मुसलमान समुद्र में केवल एक बूँद के समान हैं और यह सम्भव है कि ये आदेश लागू करने पर हिन्दू आपस में मिल जाएंगे और व्यापक स्तर पर गड़बड़ी पैदा हो सकती है।''

44. अलाउद्दीन खिलजी के प्रसिद्ध सेनापतियों में किसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई?

(a) जफर खाँ (b) नुसरत खाँ

(c) अल्प खाँ (d) उजुग खाँ

Ans. (a) : अलाउद्दीन खिलजी का प्रसिद्ध सेनापति जफर खाँ 1299 ई. में कुतलुग ख्वाजा के नेतृत्व में हुए मंगोल आक्रमण के विरुद्ध वीरतापूर्वक लड़ता हुआ मारा गया। मंगोलों का यह आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के काल का सबसे खतरनाक आक्रमण था। मंगोलों का सबसे अधिक बार आक्रमण अलाउद्दीन खिलजी के काल में ही हुआ था।

45. प्रसिद्ध 'वैद्य वाग्भट्ट' की रचना थी-

(a) काशिकावृत्ति (b) अष्टांग संग्रह

(c) कुलतनिमाता (d) नैषधचरित

Ans. (b) : 6वीं सदी के महान आयुर्वेदाचार्य वाग्भट्ट की प्रसिद्ध रचनाएँ 'अष्टांग संग्रह' एवं 'अष्टांगहृदय' है। प्राचीन स्रोतो एवं चीनी यात्रियों के विवरण से पता चलता है कि वाग्भट्ट का जन्म सिंध में हुआ था और वे बौद्ध मतावलंबी थे।

महत्वपूर्ण ग्रन्थ-'नैषधचरित' के रचयिता 12वीं सदी के महान दार्शनिक एवं श्रृंगार रस के कवि श्री हर्ष ने की है। वे कन्नौज के गहड़वाल शासकों विजय चन्द्र एवं जयचन्द्र के दरबार में रहते थे। 'नैषधचरित' नल-दमयन्ती की प्रेम-कथा पर आधारित श्रृंगार प्रधान काव्य ग्रन्थ है। काशीकावृत्ति संस्कृत व्याकरण ग्रन्थ पाणिनीकृत अष्टाध्यायी की टीका है जिसके लेखक जयादित्य एवं वामन है।

46. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची -I		सूची -II	
A.	बेगम	1.	शाही परिवार से आने वाली स्त्रियाँ
B.	अगहा	2.	उप-पत्नी
C.	अगाचा	3.	गुलाम हिजड़े
D.	ख्वाजासर	4.	अन्य पत्नियाँ (स्त्रियाँ जो कुलीन परिवार में न जन्मी हों)

कूट

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	1	3	2	4
(c)	1	4	2	3
(d)	1	4	3	2

Ans. (c) : सही सुमेल इस प्रकार है-

बेगम - शाही परिवार से आने वाली स्त्रियाँ

अगहा - अन्य पत्नियाँ (स्त्रियाँ जो कुलीन परिवार में न जन्मीं हों)

अगाचा - उप-पत्नी

ख्वाजासर - गुलाम हिजड़े

47. चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रारम्भिक जीवन का विवरण प्रस्तुत किया गया है–

(a) वायु पुराण में (b) महावंशटीका में

(c) दीपवंश में (d) अर्थशास्त्र में

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रारम्भिक जीवन का परिचय बौद्ध ग्रन्थ महावंश टीका से प्राप्त होता है। इस ग्रन्थ से पता चलता है कि चन्द्रगुप्त 'मोरिय' नामक क्षत्रिय वंश में उत्पन्न हुआ था। उल्लेखनीय है कि जैन एवं बौद्ध धार्मिक ग्रन्थ चन्द्रगुप्त मौर्य को स्पष्टतः क्षत्रिय वर्ण के रूप में स्वीकार करते हैं।

48. सर्वप्रथम 'हिन्दुस्तान' शब्द का उल्लेख किस राजवंश के अभिलेखों में हुआ था?

(a) Mauryan/मौर्यों के (b) Sassanians/ससानियों के

(c) Kushanas/कुषाणों के (d) Mughals/मुगलों के

Ans. (b) : इरान के सासानी राजवंश के अभिलेखों में सर्वप्रथम 'हिन्दुस्तान' शब्द का उल्लेख हुआ है। सासानी वंश की स्थापना ईरान में तीसरी शताब्दी में हुआ था। शापुर प्रथम के नक्श-ए-रुस्तम में सर्वप्रथम हिन्दुस्तान शब्द का प्रयोग हुआ है।

49. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(वर्ष) (घटना)

(a) 1928 - साइमन कमीशन का भारत आगमन

(b) 1928 - भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का गठन

(c) 1928 - रमन प्रभाव का आविष्कार

(d) 1928 - मदर टेरेसा का पहली बार भारत आगमन

Ans. (d) : मदर टेरेसा 1929 ई. में भारत आयी थी। अतः विकल्प (d) सत्य नहीं है। उनका जन्म 1910 ई. में अल्बानिया में हुआ था। 1928 ई. में वह अपने देश को छोड़कर आयरलैंड पहुँची एवं इसके पश्चात 1929 में भारत आ गयी। शेष विकल्प सत्य है।

50. त्रिपक्षीय संघर्ष के संबंध में निम्नलिखित युग्मों में से कौन सा/ये युग्म सही है/हैं?
(1) मिहिर भोज-ध्रुव-धर्मपाल
(2) नागभट्ट-II- गोविन्द-III- विग्रहपाल
(3) रामचन्द्र-अमोघवर्ष-I-विग्रहपाल
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट-
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2 (d) 1,2 और 3

Ans. (*) त्रिपक्षीय संघर्ष के बारे में जानकारी राधनपुर तथा संजन ताम्रपत्र से होती है। त्रिपक्षीय संघर्ष का क्रम–

गुर्जर प्रतिहार	पाल	राष्ट्रकूट
वत्सराज (780-805 ई.)	धर्मपाल (770-810 ई.)	ध्रुव प्रथम (780-793 ई.)
नागभट्ट द्वितीय (805-833 ई.)	देवपाल (810-580 ई.)	गोविन्द तृतीय (793-814 ई.)
रामभद्र (833-836 ई.)	देवपाल (810-850)	अमोघवर्ष-I (814-878 ई.)
मिहिरभोज (836-885 ई.)	देवपाल (810-850) तथा विग्रहपाल (854-915 ई.)	अमोघवर्ष-I (814-878 ई.)
महेन्द्रपाल-I (885-910 ई.)	नारायण पाल (854-915 ई.)	कृष्ण-II (878-915 ई.)

नोट- त्रिपक्षीय संघर्ष में कन्नौज पर अधिकार करने में प्रतिहार शासक महेन्द्रपाल प्रथम अंतिम रूप से सफल हुआ।
लोक सेवा आयोग द्वारा इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) दिया गया है जो कि गलत है।

51. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(इमारत)		**(निर्माणकर्ता)**
(a) लाल महल	-	बलबन
(b) दरबार महल	-	होशंग शाह
(c) जहाज महल	-	गयासुद्दीन खिलजी
(d) लाल दरवाजा मस्जिद	-	महमूद शाह

Ans. (d) : लाल मस्जिद का निर्माण 1450 ई. में जौनपुर के शर्की सुल्तान महमूद शाह शर्की की पत्नी बीबी राजा ने करवाया था। अतः विकल्प d असत्य है। शेष विकल्प सत्य है।

52. छठी शताब्दी ई.पू. का सबसे दक्षिणी महाजनपद था-
(a) Matsya/मत्स्य (b) Avanti/अवन्ती
(c) Asmaka/अश्मक (d) Chedi/चेदि

Ans. (c) : छठीं शताब्दी ई.पू. का सबसे दक्षिणी महाजनपद 'अश्मक' महाजनपद था। अश्मक महाजनपद गोदावरी (आन्ध्र प्रदेश) नदी के तट पर स्थित था। इसकी राजधानी पोतन या पोटि्ल है।
उल्लेखनीय है कि लोक सेवा आयोग ने उत्तर 'd' माना है जो कि सत्य नहीं है। चेदि महाजनपद बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थित था, जिसकी राजधानी 'सोत्थिवती' जिसकी पहचान महाभारत के शुक्ति मती से की जाती है।
नोट- लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (d) दिया है जो कि गलत है।

53. ''जो भी इस देश की जनता की भलाई का काम करता है, वह चाहे मुसलमान हो या अंग्रेज विदेशी नहीं है।'' 1916 में यह घोषणा किसने की?
(a) मोतीलाल नेहरू
(b) एनी बेसेन्ट
(c) बी.जी. तिलक
(d) मौलाना अबुल कलाम आजाद

Ans. (c) : सन् 1916 ई. में होमरूल लीग आंदोलन में होमरूल की माँग को धर्म निरपेक्षता पर आधारित बताते हुए 'बाल गंगाधर तिलक' ने कहा कि - ''जो भी इस देश की जनता की भलाई का काम करता है, वह चाहें मुसलमान हो या अंग्रेज विदेशी नहीं है। इस पराएपन का धर्म या व्यवसाय से कोई रिश्ता नहीं है। यह सीधे-सादे हितों से जुड़ा प्रश्न है।

54. निम्नलिखित में से किस शासक ने महमूद गजनवी के विरुद्ध भारतीय राजाओं का एक संघ बनाया था?
(a) जयपाल (b) आनन्दपाल
(c) सुखपाल (d) त्रिलोचनपाल

Ans. (d) : पश्चिमोत्तर भारत में शाही राजवंश के शासक जयपाल पर महमूद ग़ज़नवी ने 1001 ई. में आक्रमण किया। तत्पश्चात् 1009 ई. में आनन्दपाल के समय महमूद ग़ज़नवी ने आक्रमण किया। आनन्दपाल ने पड़ोसी राजाओं के सहयोग से महमूद ग़ज़नवी से युद्ध किया परन्तु पराजित हुआ। पुनः 1018 ई. में महमूद ग़ज़नवी ने शाही राजवंश पर आक्रमण किया। इस समय शासक आनन्दपाल का पुत्र त्रिलोचन पाल था। त्रिलोचन पाल ने भारतीय राजाओं का एक संघ बनाया था, जिसे महमूद ग़ज़नवी ने पराजित कर दिया।
नोट- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा इस प्रश्न का उत्तर (b) माना गया है।

55. मुगल बादशाह जहाँगीर के समय आगरा स्थित डच फैक्ट्री का प्रमुख कौन था?
(a) फ्रांसिस्को पेल्सर्ट (b) जोसेफ फ्रांस्वा
(c) थॉमस कॉनवे (d) लुई बेनोइट

Ans. (a) : मुगल बादशाह जहाँगीर के समय आगरा स्थित डच फैक्ट्री का प्रमुख फ्रांसिस्को पेलसर्ट था। पेलसर्ट आगरा में डच टकसाल का अध्यक्ष भी था। उसने अपनी पुस्तक 'रेमांसट्रेनिटी' में बयाना के नील उत्पादन का अत्यंत विस्तार से वर्णन किया है।

56. बुद्ध के परिनिर्वाण की तिथि 483 ई.पू. किस आधार पर निर्धारित की गयी है?
(a) कैन्टन रेकॉर्ड
(b) श्रीलंका के सिंहली वृत्तान्त
(c) दीपवंश
(d) अशोक का अहरौरा लघु शिलालेख

Ans. (a) : चीन के कैंटन लेख (रेकॉर्ड) के आधार पर विद्वान गौतम बुद्ध के परिनिर्वाण की तिथि 483 ई. पू. के आस-पास निर्धारित करते हैं। इसके आधार पर गौतम बुद्ध के जन्म की तिथि 567-566 ई.पू. निर्धारित किया जाता है।

57. निम्नलिखित राष्ट्रकूट शासकों में से किसने जैन धर्म के दिगम्बर सम्प्रदाय को उदारतापूर्वक संरक्षण दिया?
(a) राजाधिराज (b) इन्द्र-द्वितीय
(c) ध्रुव (d) अमोघवर्ष

Ans. (d) : राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष (814-878 ई.) ने जैन धर्म के दिगम्बर, सम्प्रदाय को उदारतापूर्वक संरक्षण प्रदान किया। उसके राजसभा में प्रसिद्ध जैन विद्वान -'जिनसेन' रहते थे, जिन्होंने 'आदि पुराण' की रचना की। अमोघवर्ष धार्मिक प्रकृति का एवं विद्या तथा कला का उदार संरक्षक था। उसने 'कविराजमार्ग' नामक कन्नड़ भाषा में एक काव्यग्रन्थ की रचना की थी। जैन मतावलम्बी होने के बाद भी अमोघवर्ष हिन्दू देवी-देवताओं का सम्मान करता था। वह महालक्ष्मी का अनन्य भक्त था।

58. शेरशह सूरी के संदर्भ में, कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(1) कन्नौज के युद्ध के पश्चात् वह भारत का शासक बना।
(2) उसने बंगाल के गवर्नर के पद को समाप्त कर 47 सरकारों में विभक्त कर दिया, जो सीधे उसके नियन्त्रण मे थे।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए-
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 तथा 2 (d) न तो 1 और ना ही 2

Ans. (c) : 17 मई, 1540 ई. को कन्नौज या बिलग्राम के युद्ध में शेरशाह ने मुगल शासक हुमायूँ को पराजित कर भारत का शासक बना। शेरशाह ने बंगाल की दूरस्थ भौगोलिक स्थिति को देखते हुए 47 सरकारों में विभाजित किया।

59. निम्नलिखित सिख गुरुओं के कार्यकाल पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-
(I) अमर दास (II) अंगद
(III) रामदास (IV) अर्जुन देव
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट
(a) I, II, III और IV (b) II, I, III और IV
(c) III, II, I और IV (d) IV, I, II और III

Ans. (b) : सिख गुरुओं के कार्यकाल का कालानुक्रम निम्नलिखित है-
(1) गुरु अंगद (दूसरे गुरु)
(2) अमरदास (तीसरे गुरु)
(3) रामदास (चौथे गुरु)
(4) अर्जुन देव (पाँचवे गुरु)

60. 'भारतीय स्वतन्त्रता बिल' को ब्रिटेन में शाही सहमति कब प्राप्त हुई?
(a) 18 जुलाई 1947 को (b) 19 जुलाई 1947 को
(c) 17 जुलाई, 1947 को (d) 20 जुलाई, 1947 को

Ans. (a) : भारतीय स्वतंत्रता बिल को ब्रिटेन में शाही सहमति 18 जुलाई, 1947 को पास हुआ। इस अधिनियम के अनुसार 15 अगस्त, 1947 से भारत दो स्वतंत्र प्रदेशों भारत एवं पाकिस्तान में बाँट दिया गया। उल्लेखनीय है कि 4 जुलाई 1947 को भारतीय स्वतंत्रता विधेयक ब्रिटेन के संसद में प्रस्तुत किया गया था।

61. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(अभिलेख)	(सम्बन्धित)
(a) उदयगिरि शिलालेख	- सामंत सनकानिक
(b) साँची शिलालेख	- सांमत आम्रकारदेव
(c) उदयगिरि गुफा लेख	- मंत्री वीरसेन शाब
(d) बिलसद अभिलेख	- सामंत चीरदत्त

Ans. (d) : बिलसद उत्तर प्रदेश के एटा जिले में स्थित है। यहाँ से गुप्त शासक कुमार गुप्त का अभिलेख प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख में ध्रुवशर्मा नामक एक ब्राह्मण द्वारा भगवान कार्तिकेय का मन्दिर बनवाए जानें का वर्णन मिलता है। शेष विकल्प सत्य है और ये अभिलेख चन्द्रगुप्त द्वितीय के काल में लिखवाए गए। 'आम्रकार्दव' चंद्रगुप्त द्वितीय के प्रधान सेनापति थे, जबकि मंत्री वीरसेन शाव एंव सामंत सनकानिक क्रमशः प्रधान सचिव एवं पूर्वी मालवा के राज्यपाल थे।

62. पेशवा ने 'पतदाम' नामक कर किस पर लगाया?
(a) विधवा पुनर्विवाह (b) बहुविवाह
(c) बाल विवाह (d) दहेज

Ans. (a) : मराठा साम्राज्य में पेशवाओं के काल में विधवा पुनर्विवाह पर 'पतदाम' नामक कर लगाया जाता था। मराठा साम्राज्य में वसूलें जाने वाले प्रमुख कर चौथ एवं सरदेशमुखी कहलाते थे। इस काल में भू-राजस्व 2/5 भाग अर्थात 40% वसूला जाता था।

63. गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा इम्पीरियल लेजिस्लेटिव असेम्बली में प्रस्तुत निःशुल्क तथा अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा सम्बन्ध बिल, किसके प्रभाव के कारण अस्वीकृत कर दिया गया?
(a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड हार्डिंग
(c) जॉर्ज बार्लो (d) जॉर्ज क्लार्क

Ans. (d) : गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा 18 मार्च 1910 ई. को इम्पीरियल लेजिस्लेटिव असेम्बली में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के लिए एक विधेयक प्रस्तुत किया गया, इसके पश्चात 1911 में भी इसी तरह का विधेयक उन्होंने प्रस्तुत किया। परन्तु जार्ज क्लार्क एवं अन्य अंग्रेज एवं जमींदारों के प्रभाव के कारण यह विधेयक खारिज हो गया। मदनमोहन मालवीय एवं जिन्ना ने इस विधेयक का प्रस्ताव पाठ किया था।
उल्लेखनीय है कि सर्वप्रथम 1906 ई. में बड़ौदा की रियासत ने अपने यहाँ अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा आरम्भ किया था।

64. प्राचीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में ''कंचुकी'' नामक पद का प्रयोग होता था-
(a) राजवैद्य के लिए
(b) अन्तःपुर के प्रभारी के लिए
(c) अंगरक्षक दल के प्रमुख के लिए
(d) राजकवि के लिए

Ans. (b) : प्राचीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में 'कंचुकी' चालुक्य शासनकाल में अंतःपुर का प्रभारी होता था। यह पदाधिकारी शासक की गृहस्थ जीवन का प्रबंधन करता था।

65. मुगल सैन्य व्यवस्था में 'दाखिली' कौन थे?
(a) पूरक सिपाही
(b) प्रतिष्ठित के सिपाही
(c) बादशाह के सिपाही
(d) मनसबदार के स्थायी सिपाही

Ans. (a) : मुगल सैन्य व्यवस्था में दाखिली सैनिक पूरक सिपाही थे, जिनकी नियुक्ति बादशाह की तरफ से की जाती थी, यद्यपि इनको मनसबदारों की सेवा में रखा जाता था।
अहदी सैनिक बादशाह के सैनिक होते थे इनको वेतन व साजो सामान राज्य की ओर से मिलता था। यह बादशाह के अगरंक्षक भी होते थे। सैनिक अधिकारियों में सर्वाधिक प्रतिष्ठित पद खान ए जमान था।

66. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है।
कथन (A) : जैन धर्म ने युद्ध एवं कृषि दोनों को वर्जित किया है।
कारण (R) : दोनों में जीवों की हिंसा होती है।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट
(a) (A) और (R) दोनों सही है, तथा (R) की सही व्याख्या (A) है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, किन्तु (R) की सही व्याख्या (A) नहीं है।
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : जैन धर्म में अहिंसा पर अत्यधिक बल दिया गया है। भगवान महावीर के द्वारा प्रतिपादित पंचमहाव्रत में अहिंसा प्रथम है। इसी कारण जैन धर्म में युद्ध एवं कृषि दोनों को वर्जित किया गया, क्योंकि जैन धर्म में माना गया है कि युद्ध के साथ ही कृषि में भी जीव हत्या होती है।

67. असहयोग आन्दोलन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/ हैं?
(1) प्रारम्भ में लाला लाजपत राय, गाँधी के असहयोग आन्दोलन के विरुद्ध थे।
(2) जमुनादास एवं मोतीलाल नेहरू के सहयोग से लाला लाजपत राय ने 'स्वराज दल' की स्थापना की।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।
कूटः
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Ans. (a) : असहयोग आंदोलन का विरोध आरंभ में सुरेन्द्र नाथ बनर्जी, विपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय, सी.आर. दास, मुहम्मद अली जिन्ना आदि ने किया था। परन्तु मोतीलाल नेहरू एवं अली बंधु के समर्थन से असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। इस आंदोलन के आरंभ के पश्चात ही राष्ट्रीय आंदोलन के गाँधीवादी चरण का आरंभ हुआ। दिसम्बर, 1920 के नागपुर अधिवेशन में लाल लाजपत राय और सी. आर. दास ने अपने विरोध वापस ले लिए।
'स्वराज दल' की स्थापना मोती लाल नेहरू, एवं चितरंजन दास ने की थी। जबकि लाला लाजपत राय ने स्वराज पार्टी की स्थापना में सहयोग किया था। अतः कथन (2) गलत है।

68. निम्न में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

(संगठन)	**(सम्बन्धित व्यक्ति)**
(a) यूनाइटेड इण्डियन पेट्रयोटिक एसोसिएशन	- सर सैयद अहमद खान
(b) यंग बंगाल आन्दोलन	- हेनरी विवियन डिरोजियो
(c) बहिष्कृत हितकारिणी सभा	- ज्योतिबा फुले
(d) थियोसॉफिकल सोसायटी	- कर्नल ऑलकॉट

Ans. (c) : डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 1924 ई. में बम्बई में 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' का गठन किया। उन्होंने 1927 ई. में मराठी में 'बहिष्कृत भारत' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया। ज्योतिबा फूले भी महाराष्ट्र के महान समाज सुधारक थे, उन्होंने निम्न जातियों के उत्थान के लिए (1873 ई.) में सत्य शोधक समाज की स्थापना की।

69. अकबर की विजयों से संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-
(I) उड़ीसा विजय (II) सिंध विजय
(III) कंधार विजय (IV) बलूचिस्तान विजय
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट
(a) II, I, III और IV (b) II, I, IV और III
(c) I, II, III और IV (d) III, IV, I और II

Ans. (b) : अकबर की राजनीतिक विजयों का सही कालक्रम इस प्रकार है-
(I) सिंध विजय - 1590
(II) उड़ीसा विजय- 1591
(III) बलूचिस्तान विजय - 1595
(IV) कांधार विजय- 1595

70. प्राचीन नगर ''राजगृह'' का वास्तुकार कौन था?
(a) जीवक (b) महागोविन्द
(c) उदायिन (d) शीलवन्त

Ans. (b) : प्राचीन नगर, 'राजगृह' का वास्तुकार महागोविन्द था। हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार ने इस नगर की स्थापना महागोविन्द के देख-रेख में करवाया था।
जीवक, बिम्बिसार का राजवैध था जो राजगृह की गणिका सालवती का पुत्र था।
उदायिन ने गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर शासन के चौथे वर्ष में पाटलिपुत्र (कुसुमपुर) नामक नगर की स्थापना की तथा राजगृह के स्थान पर पाटलिपुत्र को मगध की राजधानी बनाया।

71. निम्नलिखित में से किस राजा की मृत्यु युद्ध के मैदान में हुई थी?
(a) ललितादित्य (b) यशोवर्मन
(c) भास्कर वर्मन (d) आदित्यसेन

Ans. (b) : कन्नौज के शासक यशोवर्मन की मृत्यु युद्ध भूमि में हुयी। वस्तुतः हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद लगभग 50 वर्षों तक के कन्नौज का इतिहास अन्धकार मय है। इसके पश्चात् कन्नौज के सिंहासन पर यशोवर्मन का युद्ध कश्मीर के ललितादित्य मुक्तापीड़ से हुआ, जिसमें संभवतः उसकी मृत्यु हो गयी। यशोवर्मन के दरबार में संस्कृत के महान नाटककार भवभूति रहते थे। यशोवर्मन के दरबारी कवि वाक्पति ने उसके विजयों का वर्णन प्राकृत भाषा में लिखित काव्य 'गौडवहो' में किया।

72. स्कंदगुप्त के कहोम अभिलेख में उल्लिखित ग्राम प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी-
(a) मर्कट सागर (b) भगंदियाय
(c) सोमकुंड (d) ककुम

Ans. (d) : स्कंदगुप्त के कहोम अभिलेख में उल्लिखित ग्राम प्रशासन की छोटी इकाई 'ककुम' को बताया गया है। कहौम नामक स्थान से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख से पता चलता है कि भद्र नामक व्यक्ति ने पाँच जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाओं का निर्माण करवाया था।

73. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और इनको सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए-

(I) पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना

(II) बॉम्बे प्रेसीडेन्सी एसोसिएशन की स्थापना

(III) इस्ट इण्डिया एसोसिएशन की स्थापना

(IV) मद्रास महाजन सभा का गठन

नीचे दिए गए गूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

कूट

(a) I, III, IV, II (b) III, IV, I, II

(c) III, I IV, II (d) III, II, I, IV

Ans. (c) : राष्ट्रीय आंदोलन के आरम्भिक चरण में स्थापित सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाओं का सही कालानुक्रम इस प्रकार है।

संस्था	स्थापना वर्ष	संस्थापक
(i) ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन-	1866	दादा भाई नौरोजी
(ii) पूना सार्वजनिक सभा -	1867	एम.जी.रानाडे, जी.वी.जोशी
(iv) मद्रास महाजन सभा -	1884	एम.वीर राघवाचारी, जी. सुब्रह्मण्यम अय्यर, पी. आनंद चार्लू
(v) बाम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन-	1885	फिरोजशाह मेहता, बदरूद्दीन तैय्यब जी, के.टी. तैलंग

74. 30 मई, 1863 को राबर्ट ब्रूस फुट ने मद्रास के पास स्थित पल्लावरम से किस पुरापाषाणिक परम्परा के उपकरण खोजे थे?

(a) ब्लेड ब्यूरिन परम्परा

(b) ब्लेड फ्लेक-स्क्रेपर परम्परा

(c) हैण्ड एक्स-क्लीवर परम्परा

(d) माइक्रोलिथिक परम्परास

Ans. (c) : 30 मई, 1863 को राबर्ट ब्रूस फूट ने मद्रास के पास स्थित पल्लवरम् से हैण्ड-एक्स, क्लीवर परंपरा के पुरापाषाणिक उपकरणों को खोजा था।
जनवरी 1864 ई. में फिर से पल्लवरम् से कई उपकरण प्राप्त हुए है हस्तकुठार संस्कृति को मद्रास संस्कृति या मद्रास उद्योग भी कहा जाता है।

75. 1927 में नियुक्त हरकोर्ट बटलर समिति ने अनुशंसा की थी-

(a) रियासतों को पूर्ण स्वायतत्ता प्रदान करने की।

(b) लोकसेवाओं में भारतीयों का उच्च पदों पर एवं अधिक व्यापक नियोजन।

(c) ब्रिटिश सर्वोच्चता के माध्यम से रियासतों का संरक्षण।

(d) आकाल की स्थिति में पीड़ितों को राजकीय सहायता।

Ans. (c) : 1927 में ब्रिटिश सरकार हरकोर्ट बटलर समिति ने ब्रिटिश सर्वोच्चता के माध्यम से रियासतों के संरक्षण की अनुशंसा की। इस कमीशन ने भारतीय रियासतो एवं ब्रिटिश सरकार के सम्बन्धों को स्पष्ट किया तथा रियासतों के संरक्षण पर बल दिया।

76. जियातरंग आन्दोलन प्रारम्भ हुआ-

(a) नागालैण्ड में (b) त्रिपुरा में

(c) मणिपुर में (d) मिजोरम में

Ans. (c) : जियातरंग आंदोलन का आरंभ मणिपुर में ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध हुआ। इसके आरम्भिक नेता जदोंनोग (यदुनांग) थे। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान नागा महिला रानी गैडिनल्यू ने ब्रिटिश सत्ता का जमकर विरोध किया। सरकार ने रानी गैडिनल्यू को जेल में डाल दिया। आजादी के पश्चात ही वे जेल से छूट पायी। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें 'नागाओं की रानी' की उपाधि दी।

77. कौन सूफी सन्त साँस की योग - क्रियाओं में इतने पारंगत थे कि अन्य योगी उनको 'सिद्ध' कहते थे?

(a) निजामुद्दीन औलिया

(b) नसीरुद्दीन चिराग-ए-दिल्ली

(c) शेख मोइनुद्दीन चिश्ती

(d) बख्तियार काकी

Ans. (a) : सूफी चिश्ती सिलसिले के प्रसिद्ध संत निजामुद्दीन औलिया योग- क्रियाओं में इतने पारंगत थे कि लोग उन्हें 'योगी सिद्ध' कहते थे। शेख निजामुद्दीन औलिया 'महबूब-ए-इलाही' के नाम से भी प्रसिद्ध थे। वे महान कवि अमीर खुसरो के गुरु थे।

78. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के द्वारा ''भारत परिषद्'' (इण्डिया काउंसिल) को समाप्त कर दिया गया?

(a) मॉर्ले-मिंटो सुधार अधिनियम, 1909

(b) भारत सरकार अधिनियम, 1919

(c) भारत सरकार अधिनियम, 1935

(d) भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947

Ans. (c) : भारत सरकार अधिनियम -1935 द्वारा 1858 के भारत शासन अधिनियम, 1858 द्वारा स्थापित 15 सदस्यीय भारत परिषद को समाप्त कर दिया। भारत परिषद का प्रमुख भारत सचिव होता था जो ब्रिटिश संसद का सदस्य होता था। भारतीय नेता लम्बे समय से इसे खत्म करने की माँग कर रहे थें।

79. किन शासकों के सिक्कों पर 'ध्रुमिय' (धार्मिक) उपाधि उत्कीर्ण है?

(a) Kushana/कुषाण (b) Shaka/शक

(c) Pahlava/पहलव (d) Satavahana/सातवाहन

Ans. (c) : पहलव शासकों के सिक्कों पर 'ध्रमिय' (धार्मिक) उपाधि उत्कीर्ण है। पहलव शासक द्वितीय शताब्दी ई. पू. में इरान से भारत में आए थे। इस वंश का संस्थापक मिथ्रदात प्रथम (171-130 ई. पू.) था। इस वंश का महानतम शासक गोण्डोफर्नीज था।
कुषाणों ने भारत में द्वैध शासन एवं संयुक्त शासन की प्रणाली शुरू की थी तथा भारत में सर्वप्रथम शुद्ध स्वर्ण मुद्राएं निर्मित करवाई थी। सातवाहन ने सीसे के सिक्के निर्मित करवाये थे।

80. 'कुटिल' लिपि को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है-

(a) खरोष्ठी लिपि (b) सिद्धमात्रिका लिपि

(c) ग्रन्थ लिपि (d) शारदा लिपि

Ans. (b) : 'कुटिल लिपि' को 'सिद्मात्रिका लिपि' के नाम से भी जाना जाता है। यह लिपि आंरभिक मध्यकाल (छठी शताब्दी से नौवीं शताब्दी) में उत्तरी भारत में प्रचलित थी। यह लिपि ब्राह्मी लिपि का विकसित रूप है।